शोध मंथन Vol. XV No.III July.-Sept. 2024 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

# युवाओं के करियर व रोजगार प्राप्त करने में रोजगार मेलों की प्रासंगिकताः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

प्राप्तिः 12.08.2024
स्वीकृतः 15.09.2024

64

**कु. काजल**
शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग,
शंभू दयाल पी0जी0 कॉलेज,
गाजियाबाद
ईमेलः *km.kajal7248@gmail.com*

**प्रो. रीना शर्मा**
समाजशास्त्र विभाग,
शंभू दयाल पी0जी0 कॉलेज,
गाजियाबाद

***सारांश***

*प्रस्तुत अध्ययन युवाओं के करियर व उनके भविष्य हेतु बनाई जाने वाली युवाओं कल्याण नीतियों के प्रभावी होने में रोजगार मेलों की आवश्यकता व प्रासंगिकता के विषय में बात करता है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य रोजगार प्राप्ति में डिजिटल माध्यमों के विश्लेषण करने ,रोजगार मेलों से प्राप्त होने वाले रोजगारों के स्तरों की जांच करने, ऑनलाइन आयोजित होने वाले रोजगार मेला से प्राप्त रोजगार की विश्वसनीयता की जांच करने, और शिक्षित युवाओं के हित में बनाई जाने वाली योजनाओं के प्रभाव का विश्लेषण करने पर ध्यान केंद्रित करता है। अध्ययन में प्राथमिक व द्वितीय सामग्री का प्रयोग करके विश्लेषण हेतु सरल सांख्यिकीय तकनीक का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में अवलोकन, साक्षात्कार, में रोजगार मेले जैसे इवेंट में सहभागी अवलोकन से भी तथ्य जुटाए गए हैं। लेख में सुझाव भी हैं, रोजगार मेलों से जो युवाओं के भविष्य निर्माण हेतु रोजगार प्राप्त हुए हैं उनकी जांच की जानी चाहिए, जिससे युवाओं के प्राप्त रोजगार की गुणवत्ता में श्रेष्ठता का पता लगाया जा सके। युवा कल्याण नीतियों को निम्न स्तर तक या ग्रामीण स्तर पहुंचाने की आवश्यकता है। प्रस्तुत अध्ययन मुख्यतः युवाओं के कल्याण के लिए बनने वाली योजनाओं के विषय में जानकारी कर देता है तथा लागू हो चुकी योजनाओं की असफलता और उनमें संशोधन के विषय में भी सुझाव प्रस्तुत करता है। और ग्रामीण समुदाय में रोजगार मेलों के प्रति अविश्वसनियता के दृष्टिकोण को बदलने का प्रयास करता है। यह अध्ययन रोजगार के संबंध में ऑनलाइन होने वाली धोखाधड़ी के संबंध में भी जागरूक करता है।*

***मुख्य शब्द***

*रोजगार मेले, तकनीक, करियर, कौशल विकास, कौशल विकास योजना।*

## प्रस्तावना

रोजगार मेले आज के समय का नौकरी तलाशने के सर्वाधिक सरल, सुगम एक ऐसा मंच है ,जहां पर शिक्षा, प्रतिभा के आधार पर स्वयं कंपनियों व संगठन युवाओं को तलाशती हुई आती है। यह आधुनिक तकनीको व इंटरनेट के द्वारा ही संभव हो पाया है। पुराने समय में युवा शिक्षा प्राप्ति के पश्चात स्वयं दफ्तर के धक्के खाते, और विभिन्न प्रकार के लोगों से नौकरी के लिए सिफारिशे करते, किंतु आज केवल इंटरनेट व फोन के माध्यम से विभिन्न साइट्स जैसे naukri.com, monster.com, linkedin ऐसी बहुत सारी इंटरनेट के द्वारा युवाओं को नौकरी पाने में सरलता हुई है। आज ना ना प्रकार के कोर्सेज व विभिन्न प्रकार के वेबीनार विश्वविद्यालय और कॉलेज द्वारा आयोजित किए जाते हैं। ताकि युवाओं को विद्यालय द्वारा ही वांछित नौकरी के अनुसार शिक्षा व ज्ञान मिल सके। भारतीय नई शिक्षा नीति के लागू होने के पश्चात स्नातक स्तरों पर बालकों के कौशल विकास हेतु विशेष प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं,ताकि उसी के अनुसार शिक्षा के साथ कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को अंतिम वर्ष में इंटर्नशिप के माध्यम से प्लेसमेंट प्राप्त कराया जाता है। रोजगार मेंले आज के समय की आधुनिक तकनीक के द्वारा प्रतिबंधित एक ऐसी व्यवस्था है। जिसमें सरकारी व गैर सरकारी संगठन आकर अपनी अपनी आवश्यकतानुसार युवकों को अपने व्यवसाय के लिए आमंत्रित करते हैं तथा तय की गई तनख्वाह पर नियुक्ति पत्र प्रदान करते है। केवल एक रिज्यूमें के आधार पर नियुक्तिकर्ता शिक्षा व कौशल आधार प्रश्नो की पूछताछ करके भर्ती कर लेते हैं।

## युवाओं की शिक्षा व कौशल विकास

प्रत्येक क्षेत्र में विषेशज्ञो के पैमानों की गुणवत्ता के स्तर को बढ़ाकर उच्च से उच्चतम बनाकर युवाओं के करियर निर्माण में सहायता की जा रही है। आज के प्रौद्योगिकी के बदलते दौर में युवाओं को कौशल विकास की शिक्षा प्राप्त कराना आज के समय की प्राथमिक मांग है। शिक्षा प्राप्ति प्राथमिक अधिकार के साथ–साथ समाज में सभ्य व्यवहार, संचार कौशल के गुणों की प्रभावशीलता को प्रभावित करता है। आज स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालय तक युवाओं को कौशल आधारित शिक्षा को सामान्य शिक्षा के साथ मिलकर प्रदान किया जा रहा है। प्राचीन काल में वैदिक तरीकों के माध्यम से युवाओं को शिक्षा प्रदान की जाती थी। जिसमें शारीरिक श्रम, बुद्धि बल युद्ध कौशल को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त था। किंतु आज जीवन यापन के तरीकों व विचार शैली में आमूल चूल परिवर्तन आए। औद्योगिकरण में विशेषीकरण होने से आज की जरूरत के कारण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता है। कौशल विकास हेतु युवाओं के अंदर की प्रतिभा को जांच कर भी उसे तराशना या प्रचलित ट्रेंड व समय के अनुसार कार्यों में युवाओं को प्रवीण बनाया जा सकता है। उच्चतम शिक्षा व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन व कौशल प्रशिक्षण शिक्षा प्राप्ति के बाद उसे प्रयोगात्मक प्रारूप प्रदान करता है। युवाओं की सैद्धांतिक व प्रायोगिक शिक्षा स्तर की शक्ति ही उन्हें रोजगार प्राप्ति में आय कमाने व करियर निर्माण में सहायता प्रदान करती है।

**कौशल विकास की आवश्यकता**

अगर किसी कौशल विकास कारणवश शिक्षा पद्धति से अलग कर दिया जाए, तो युवाओं को रोजगार प्राप्ति में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा भी प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसी स्कीमों के माध्यम से ग्रामीण व नगरीय युवाओं को आज परिवर्तन के प्रवाह में शामिल करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यत इन कोर्सेस की समय सीमा 3 से 6 माह शॉर्ट टर्म में होती है। कुछ स्कीम महिला उत्थान के उद्देश्यों से भी फलीभूत होती हैं। जिसमें महिलाओं को रोजगार करने व सिखाने के लिए हस्तशिल्प कलाओं हेतु भी प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण द्वारा युवा जब अपने अंदर की प्रतिभा को उजागर करके उस पर काम करते हैं, जैसे सिलाई, कढ़ाई, खेल कूद, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में ग्राफिक डिजाइनिंग बहुत सी ऐसी प्रतिभा है, क्योंकि भारत सरकार मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट देकर कम खर्च पर इस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण प्रदान करवा रही है। सरकार पॉलीटेक्निक संस्थानों के द्वारा कुशल शिक्षकों के माध्यम से निम्नतम शिक्षा के आधार पर इस प्रकार के संस्थानों में दाखिले लेकर योग्य विद्यार्थियों को कम फीस पर कौशल प्रशिक्षण देकर व्यवसाय हेतु प्लेसमेंट भी दिलवाती है। डिजिटल मार्केटिंग आज के समय का सबसे पैना हथियार है, जिसमें गुणी बनाकर युवाओं को अधिक श्रम के बिना ही अच्छी आय अर्जित करने का मौका मिलता है। प्रशासन द्वारा चलाए गए विभिन्न प्रोग्राम जैसे स्किल इंडिया ,डिजिटल इंडिया आदि की पाठ्य सामग्री में उत्पादन, प्रक्रिया, डिजाइन, मशीनरी ,उपकरणों का बजट, प्रयोग, वितरण, विपणन, निर्यात, तकनीक, परियोजना की संरचना तैयार करना, सुविधा, नगद, आदि से जुड़ी उपयोगी जानकारी प्राप्त करने के लिए तैयार की जाती है।

**रोजगार मेले एक सकारात्मक पहल**

पहले रोजगार मेलो का आयोजन केवल दफ्तरों में नियोक्ताओं को प्रोन्नति प्रदान करने के उद्देश्य से ही किया जाता था। किंतु कॉरपोरेट क्षेत्र में बढ़ते विशेषीकरण व कार्यों के दबाव के कारण निजी कंपनियों ने कॉलेजो व संस्थानों से योग्य उम्मीदवारों को चुनकर रोजगार प्रदान करने लगी। रोजगार मेले एक ऐसे स्थान के रूप में परिभाषित किए जाते हैं, जहां पर एक स्थान पर बहुत सारी प्रतिष्ठित कंपनियों अपनी कंपनियों में नियोक्ताओं का चुनाव करने आती है। जब युवा किसी कारणवश कंपनी या संगठन में चयनित नहीं हो पाते, तो वह दूसरी कंपनियों व संगठनों में आवेदन करके साक्षातकार हेतु जा सकते है। यह पूरी प्रक्रिया लगभग 1 या 2 दिन तक चलती है। सरकार ने प्रशासनिक व्यवसायो को भी रोजगार मेंलों से जोड़कर योग्य युवाओं को नियुक्त करने का विचार बनाया है। प्राय यह सारी प्रशासनिक भर्तियां संविदात्मक होती हैं। जिनमें कुछ माह व वर्षों की अवधि के लिए युवाओं को नियुक्त किया जाता है।

**अध्ययन के उद्देश्य**

1. रोजगार प्राप्ति में डिजिटल माध्यमों का विश्लेषण करना।

2 रोजगार मेलों में प्राप्त होने वाली नौकरी के स्तर की जांच करना।

3. ऑनलाइन आयोजित रोजगार मेलों से प्राप्त रोजगारों की विश्वसनीयता का आंकलन करना।

4. प्रशक्षित युवाओं के हित में बनाई गई योजनाओं के प्रभाव का विश्लेषण करना।

## अध्ययन की शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन में मुख्यत प्राथमिक सामग्री जैसे अवलोकन, साक्षात्कार, सर्वे, प्रश्नावली, रोजगार मेले जैसे इवेंट में सहभागी अवलोकन से भी तथ्य जुटाए गए हैं। द्वितीयक जैसे संबंधित जर्नल, लेख सामग्री, अखबार, विषय वस्तु विश्लेषण सामग्री, केंद्रीय व रोजगार मंत्रालय, रोजगार मेलों एकत्रित सामग्री तथा अवलोकन जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रयोग किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण में लोचमयता व निश्पक्षता के सामान्य सांख्यिकीय पद्धति को उपयोग में लाया गया है।यह द्वितीयक व प्राथमिक दोनों तकनीकों पर आधारित एवम् आंकड़ा एकत्रीकरण में रिपोर्ट मीडिया व इंटरनेट साइट्स आदि का भी उपयोग किया गया है। अध्ययन में मुख्यतः पिलखुवा शहर के विद्यालयों के स्नातक व परस्नातक 50 शिक्षित युवाओं का चुनाव आंकड़ों के संग्रहण हेतु किया गया है। जिन्होने रोजगार मेलो में साक्षात्कार में सम्मिलित होकर अनुभव प्राप्त किया हैं। जिनमे में 28 पुरुष व 22 महिलाएं षामिल थी।।

## साहित्य का पुनरावलोकन

विभूति शर्मा ने 2023 में रोजगार अवसर व श्रम बाजार में भागीदारी शीर्षक पर जम्मू में एक व्यक्तिगत अध्यय में उन्होंने जम्मू के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में श्रम बाजार में भागीदारी के दायरे की बात की, बताया कि श्रम बाजार भागीदार के साथ संबंधित रोजगार के विभिन्न प्रकार के अवसर मानक व नीति निर्माण निर्णय के लिए सहायता प्रदान करता है। इस अध्ययन में स्थानीय उत्तरदाताओं के साथ सूचना जमा करने के लिए गुणात्मक मात्रात्मक तकनीक का प्रयोग हुआ है। इन्होंने व्यावसायिक श्रम क्षेत्र में रोजगार की हालिया प्रवृत्ति पर नौकरी, बाजार, लिंग वशिक्षा के प्रभाव की जांच के लिए गुणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग किया।

विधु गौर 2022, में अपने अध्ययन भारत में ग्रामीण युवाओं के सामाजिक आर्थिक विकास में कौशल व व्यावसायिक शिक्षा एक अनुभवजन्य अध्ययन में मात्रात्मक व गुणात्मक शोध पद्धतियों का प्रयोग करके समग्र कौशल व व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली व भारत में ग्रामीण युवाओं पर उसके प्रभाव को देखने का वर्णन करने का प्रयास है। अध्ययन में यह बताया गया कि सरकार एक व्यापक व्यवसायिक शिक्षा पहल के माध्यम से लगभग सभी व्यक्ति विशेष ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शिक्षित करने का प्रयास कर रही है।

जयदीप कुमार एवं अन्य 2022 ने अपने अध्ययन ग्रामीण युवाओं की रोजगार स्थिति पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामाजिक आर्थिक प्रभाव (R-S-E-T-I) गुजरात का एक अध् ययन में यह बताने का प्रयास किया, कि यह अध्ययन नडियाड में स्थित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के मामले का उपयोग करते हुए कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता और सामाजिक आर्थिक प्रभाव की जांच के बारे में बताया। इसमें 2013 से लेकर 2016 तक की अवधि के दौरान कौशल विकास प्रशिक्षण लेने वाले 120 प्रशिक्षित को यादृच्छिक सैंपल के आधार पर लिया गया। इस अध्ययन से यह सुझाव प्राप्त हुआ कि व्यक्तियों की रुचियां में क्षमताओं के आधार पर चयनात्मक प्रशिक्षण विधियों को तैयार किया जाना चाहिए उनके लिए जो नेता, उद्यमी, निराशावादी, आत्म जागरूक, आत्म प्रेरित, श्रेणियां थी।

दर्पण कुमार दास व अन्य 2022 में अपने लेख (केवीके)असम के पांच कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा क्रियान्वित ग्रामीण युवा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता पर यह उजागर करने का प्रयास किया। कि केवीके के अंतर्गत गांव लखीमपुर, धेमाजी, बक्सा, उदलगुरी, और कार्वी, आंगलोंग को असम में ग्रामीण युवा कौशल प्रशिक्षण (s-t-r-y) कार्यक्रम की प्रभावशीलता पर अध्ययन के लिए उद्देश्यपूर्ण रूप से चुना गया। उद्देश्य पूर्ण सैंपलिंग का प्रयोग करते हुए व्यक्तिगत साक्षात्कार अनुसूची, व्यक्तिगत अवलोकन के द्वारा 80 प्रतिशत प्रशिक्षुको लेकर 120 उत्तरदाताओं का नमूना आकार चुना गया। शोध विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरण जैसे आवृत्ति, प्रतिशत, माध्य, मानक विचलन, पयर्सन उत्पाद, ऋण सहसंबंध, गुणांक, टी टेस्ट, काई स्क्वायर आदि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में से 10 स्वतंत्र चरों में से 6 चर अर्थात वार्षिक आय, उपलब्धि प्रेरणा, सीखने की प्रेरणा, आर्थिक प्रेरणा, सीखने की स्थानांतरित करने की प्रेरणा, आत्म प्रभावकारिता का प्रशिक्षण प्रभावशीलता के साथ में महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध पाया गया।

गीतांजलि हुड्डा 2022 ने अपने शोध पत्र युवा विकास में कौशल विकास कार्यक्रमों की भूमिका में यह बताया। कि उन्हें 260 युवाओं के नमूने का उपयोग करके विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति युवाओं की जागरूकता का आकलन किया। और देश के युवाओं के विकास में कौशल विकास के महत्व को प्रदर्शित किया। उनका यह अध्ययन प्राथमिक आंकड़ों के आधार पर इन कौशल विकास कार्यक्रमों के कुछ प्रतिबिंबो को देखने का प्रयास करता है। यह अध्ययन कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रति युवाओं की जागरूकता के स्तर को समझने और युवाओं को रोजगार करने व अपना व्यवसाय शुरू करने व जीवन शैली और सामाजिक स्थिति के बदलाव लाने में कौशल विकास कार्यक्रमों की भूमिका को बेहतर ढंग से समझाने पर बल देता है।

**अध्ययन के परिणाम**

**1.1 रोजगार प्राप्ति में डिजिटल माध्यमों का विश्लेषण**

**इंटरनेट के माध्यम से नौकरी की तलाश**

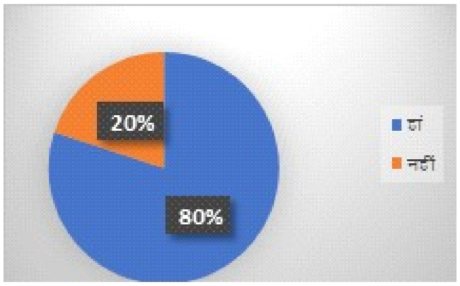


प्रस्तुत उद्देश्य के गहन विश्लेषण पश्चात यह ज्ञात होता है, कि अधिकांश युवाओं द्वारा रोजगार प्राप्ति हेतु डिजिटल माध्यम का प्रयोग किया गया। क्योंकि यह तरीके सुलभ और अधिक जानकारियो से परिपूर्ण होते हैं। इंटरनेट के माध्यम से आज साक्षात्कार का आयोजन ऑनलाइन हो जाता है। जिस कारण यातायात के चक्कर में पड़ने से भी युवाओं को छुटकारा मिला इन डिजिटल

संसाधनों में विभिन्न प्रकार की साइट्स कंपनियों द्वारा युवाओं की हायरिंग की जाती है, जिससे युवा तुरंत आवेदन करके साक्षात्कार हेतु प्रस्तुत हो सकते हैं। इस तरह से भर्तीकर्ता को भर्ती करने व बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्राप्ति में सरलता होती है।

**2.1 नौकरियों के स्तर की जांच**

**फ्रेशर युवाओं के लिए न्यूनतम तनख्वाह**

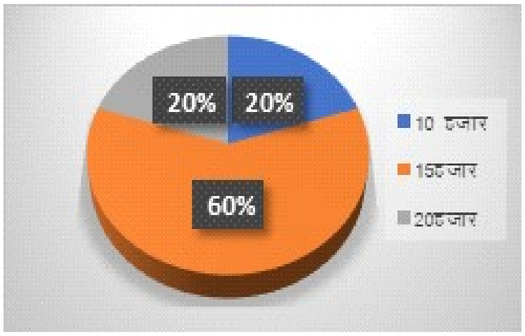


ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त नौकरियों में जितनी सहजता व सुलभता होती है, उतनी ही उनके स्तर की जांच करना भी महत्वपूर्ण कार्य हो जाता है। ताकि प्रत्येक योग्य युवा को उनके शैक्षिक स्तर व कौशल प्रशिक्षण के आधार पर उपयुक्त रोजगार प्राप्त हो सके। क्योंकि ग्रामीण युवा विभिन्न परिस्थितिवश ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित रोजगार मेलो में भर्ती कर्ता द्वारा ग्रामीण युवाओं को कम तनख्वाह पर भर्ती कर लेते हैं। जो उच्च शिक्षित होते हुए भी युवा को फ्रेशर के रूप में कम तनख्वाह प्रदान करते हैं। रोजगार मेलों में सम्मिलित होने वाली कंपनियों के विषय में भी जानकारी आवश्यक रूप से होनी चाहिए। ताकि नौकरी हेतु सही और विश्वसनीय कंपनी का चुनाव किया जा सके। प्राय रोजगार मेलों में स्नातक स्तर के फ्रेशर युवाओं को 10000 से 15000 तक की तनख्वाह सरलता से प्राप्त हो जाती है।

**3.1 ऑनलाइन आयोजित रोजगार मेलों से प्राप्त रोजगार की विश्वसनियता का आकलन**

**ग्रामीण युवाओं के परिवार जनों के द्वारा नौकरियों के लिए विश्वसनीयता का स्रोत**

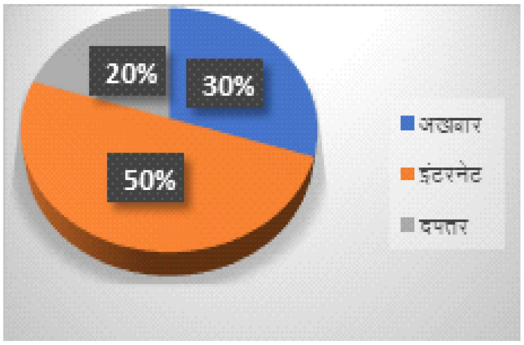

ऑनलाइन रोजगार मेला में शुल्क की मांग

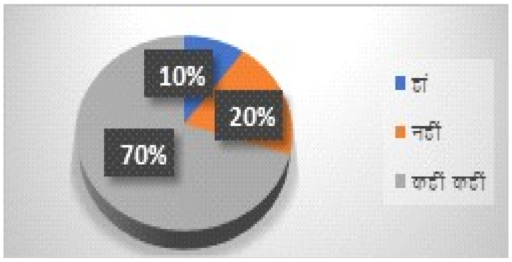


आधुनिक समय में प्रत्येक प्रक्रिया का ऑनलाइन माध्यमों के द्वारा पूर्ण करना बहुत ही सामान्य और आवश्यक हो गया है। ताकि प्रत्येक स्थान के व्यक्ति से संपर्क किया जा सके। किंतु इन सब में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले भी सामने आते रहते हैं। अतः प्रत्येक आयोजित रोजगार मेलों में भाग लेने से पूर्व उसके विषय में पूर्ण रूप से आस्वस्त होना आवश्यक है। 50 उत्तरदाताओं में से अधिकांश उत्तरदाता इस बात से पूर्ण सहमत है, कि ऑनलाइन आयोजित होने वाले रोजगार मेले में सम्मिलित होने से पूर्व व्यवस्थापको द्वारा कुछ न्यूनतम शुल्क की मांग कर सकते हैं। बहुत बार शुल्क प्राप्ति पश्चात रोजगार की कोई विशेष गारंटी भी नहीं होती है। ताकि ऑनलाइन किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचाव किया जा सके। इन्ही कारणों के परिणामस्वरूप आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन माध्यमों नौकरियों की जानकारी को उतनी विश्वसनीयता हेतु प्राथमिकता नहीं प्राप्त हो पा रही हैं, जितनी अखबारों में प्रकाशित जानकारी या दफ्तरों द्वारा प्रदान की जाने वाली जानकारी को प्राथमिकता प्राप्त है।

**4.1 शिक्षित युवाओं के हित में बनाई गई योजनाओं के प्रभाव का विश्लेषण–**

युवाओं हेतु बनी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वन

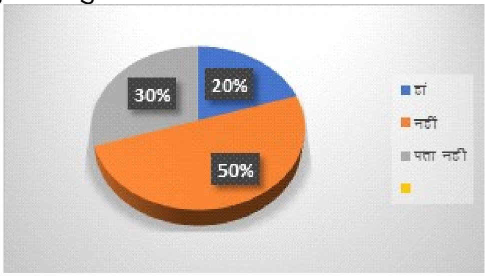


योजनाओं का महाविद्यालय स्कूलों संस्थाओं के द्वारा प्रभावी बनाया जाना

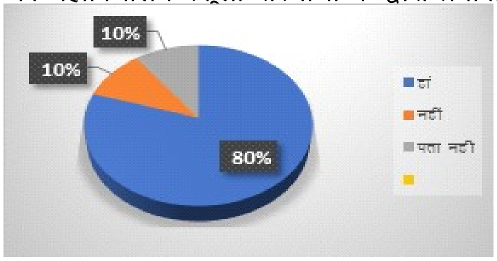

प्रस्तुत उद्देश्य के आंकड़ों का विश्लेषण पश्चात यह पता चलता है, कि सरकार विभिन्न प्रकार की योजनाओं को प्रकाश में लाती रहती हैं। जिससे युवा देश की उन्नति में अपना योगदान दे सकें। स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, ऐसी विभिन्न प्रकार की योजनाएं जो युवाओं को भविष्य में व्यवसाय हेतु तैयार व प्रशिक्षण प्रदान करती इसके अलावा किसी विशेष प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु समर्पित हैं। किंतु युवाओं को उनकी उचित जानकारी के अभाव में यह योजनाएं पूर्ण रूप से सफल नहीं हो पाती या पूर्ण करने की प्रक्रिया के दौरान खानापूर्ति के द्वारा कागजी कार्रवाई के माध्यम से योजना को पूर्ण दिखा दिया जाता है। किंतु जिन योजनाओं को विद्यालयों व स्कूलों के स्तरों और रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है, उनके विषय में प्रत्येक युवाओं को जानकारी व लाभ भी प्राप्त हुआ है।

**अध्ययन की प्रासंगिकता**

1. प्रस्तुत अध्ययन की सहायता से युवाओं के लिए बनने वाली योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी, व लागू योजना को संशोधन करने पर विचार किया जा सकता है।
2. यह अध्ययन रोजगार मेलो के द्वारा प्राप्त होने वाली नौकरियों के प्रति सजग होंगे और उसके प्रति जागरूक होकर सकारात्मक दृष्टिकोण अपना सकेंगे।
3. यह अध्ययन ऑनलाइन आयोजित रोजगार मेलों के प्रति युवाओं को जागरूक करेगा और ऑनलाइन कंसल्टेंसी शुल्क के बारे में भी युवाओं को अवगत कराएगा, जिससे आजकल धन कमाने का जरिया बना दिया गया है।
4. प्रस्तुत अध्ययन रोजगार मेलों से प्राप्त होने वाले रोजगारों के विषय में गहन अध्ययन करता है, तथा युवाओं को रोजगार मेलों को भी रोजगार प्राप्त करने के तरीकों के रूप में चुनाव करने का सुझाव देता है।
5. प्रस्तुत अध्ययन युवाओं के भविष्य निर्माण हेतु कौशल विकास व प्रचलित ट्रेंड के अनुसार कौशल प्रशिक्षण के विषय में बताता है। युवाओं के भविष्य निर्माण को मुख्य बिंदु में रखकर युवाओं के लिए करियर हेतु मार्ग प्रशस्त करने में सहायक होगा।
6. यह अध्ययन युवाओं द्वारा कौशल विकास के पश्चात रोजगार मेलों के माध्यम से मिलने वाली प्रतिष्ठित नौकरियों के विषय में जागरूक करने में योगदान देगा। यह अध्ययन रोजगार मेलों के डिजिटल माध्यमों के विशय में गहन अध्ययन करके उनकी प्रायोगिक सफलता की जानकारी प्रदान करता है।
7. इस अध्ययन में युवाओं के रोजगार प्राप्ति व प्रशिक्षण प्रदान करने से लेकर विश्वासनीय साधनों के प्रयोग के बारे में जानकारी देने का प्रयास किया गया है ।
8. यह अध्ययन युवाओं के हित में बनाई गई योजनाओं के प्रभाव व उनकी सफलता व युवाओं के रुझान के बारे में भी बात करता है।

## अध्ययन के सुझाव

1. रोजगार मेले से जो युवाओं के भविष्य निर्माण के प्रारंभ हेतु रोजगार प्राप्त हो रहे हैं, उनकी कोटि की जांच की जा सकती है, जिससे युवाओं को रोजगार की गुणवत्ता व श्रेष्ठता का पता लगाया जा सके व युवाओं को रोजगार मेले से किस प्रकार के रोजगार प्राप्त हो रहे हैं, क्या उनके द्वारा युवाओं के भविष्य निर्माण में फायदेमंद रहेगा या नहीं।

2. प्रस्तुत अध्ययन युवाओं को रोजगार प्राप्ति से पहले कौशल विकास व प्रशिक्षण पर ध्यान देने चाहिए। ताकि युवा अपना कैरियर, नौकरियों के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी बना पाए।

3. यह अध्ययन युवाओं के भविष्य निर्माण के लिए बनाई गई नीति के संबंध में बात करता है, और यह सुझाता है, कि उन युवा नीतियों को युवाओं तक पहुंचाने की आवश्यकता है तथा रोजगार मेलों के कारण डिजिटल तीव्रता व उसके प्रति विश्वसनीयता और सजगता की आवश्यकता को बताता है।

4. प्रस्तुत अध्ययन युवाओं के कल्याण हेतु बनाई गई योजनाओं की सफलता व असफलता के कारण पडने वाले प्रभाव का विशेषण करके संशोधित योजना को लागू करने का सुझाव देता है तथा ऑनलाइन आयोजित होने वाले रोजगार के दौरान होने वाले धोखाधड़ी के प्रति सचेत और जागरूकता के प्रति सुझाव प्रदान करता है।

5. प्रस्तुत अध्ययन युवाओं के भविष्य निर्माण हेतु कौशल विकास व प्रचलित ट्रेंड के अनुसार प्रशिक्षण का विचार भी प्रस्तुत करता है। यह सुझाव देता है, कि युवाओं को नीतियों व भविष्य निर्माण हेतु विद्यालय व संस्थाओं के माध्यम से ही प्रशिक्षण दिला कर रोजगार मेलों के द्वारा कार्य हेतु ट्रेनिंग प्रदान की जानी चाहिए।

## अध्ययन के निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के उपरोक्त विवरण का अध्ययन करने के बाद यह ज्ञात होता है, कि ग्रामीण युवाओं में जागरूकता वह सचेतता की आवश्यकता है। ताकि वे अन्य पिछड़े क्षेत्र के और युवाओं को भी जागरूक कर सके, और स्वयं भी डिजिटल माध्यमों के द्वारा रोजगार हेतु होने वाली धोखाधड़ी से बच पाए। युवाओं में रोजगार मेले में सम्मिलित होने पर कौशल प्रशिक्षण को भी शिक्षा कुशलता के समकक्ष ही वरीयता प्राप्त हो रही है। जिससे यह पता चलता हैं कि किसी एक क्षेत्र में प्रतिभावान होने पर कौशल प्रशिक्षण लेकर भी भविष्य उज्जवल किया जा सकता है। आज सरकार विभिन्न योजनाओं व पहला द्वारा युवाओं को सफल व प्रवीण बनाने में उचित कदम उठा रही है। सरकार द्वारा महाविद्यालयो और स्कूलो में कौशल प्रशिक्षण को महत्व देते हुए स्नातक स्तरों पर ही प्रत्येक युवा को प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया है।

## सन्दर्भ

1. हुड्डा , गीतांजलि, 23 फरवरी 2022; युवा विकास में कौशल विकास कार्यक्रमों की भूमिका - SEDME. लघु उद्यम विकास, प्रबंधन और विस्तार जर्नल (SEDME) , लघु उद्यम विकास, प्रबंधन और विस्तार जर्नल)–पृष्ठ 097084642210771–097084642210771.

2. दास, दर्पण कुमार, साजिब बोरुआ, सी.आर. डेका, 25 दिसंबर 2022–केवीके द्वारा कार्यान्वित ग्रामीण युवा कार्यक्रम के कौशल प्रशिक्षण की प्रभावशीलता गुजरात जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन–वॉल्यूम 34, अंक– 1, पृष्ठ 97–101

3. गौर, विधु, 10 अगस्त 2022ः भारत में ग्रामीण युवाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास में कौशल और व्यावसायिक शिक्षा, एक अनुभवजन्य अध्ययन–व्यवसाय और प्रबंधन समीक्षा–खंड 13, अंक–02

4. शर्मा, विभूति; 14 दिसंबर 2023,नौकरी के अवसर और श्रम बाजार में भागीदारीः एक केस स्टडी जम्मू शहर, भारत Regional Economic Development Research http://ojs.wiserpub.com/index.php/REDR/Volume 4 Issue 2|2023| 121.

5. कृपाल, प्रेम 1976ः युवा व स्थापित संस्कृति, न्यू दिल्ली, स्टर्लिंग।

मुक्ता, मित्तल,1994ः भारत में शिक्षित बेरोजगार महिलाएं, न्यू दिल्ली,अनमोल पब्लिकेशन।

6. censes2011.com
7. thescolars.com
8. bussinsstoday.com
9. yourarticalelibrary
10. Collegegrad.com
11. Mdpi.com/journal/ futureinternet